765

16-2-18
शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

अनुभुती के "समर्पण संस्कार" को एक माध्यम मे संक्रमीत कर उन्होने "माध्यम" को संस्कार देने के लिये "अधिकृत" कर के समाज मे भेजा है।

बाबास्वामी
16/02/18

नोट :-
गहन ध्यान अनुष्ठान के बाद आज से संन्देश प्रारंभ किये जा रहे है।

17.2.18
शनीवार

❀ आत्मा ❀

समर्पण "सैर-कार" राक
पवीत्र आत्मा से राक
पवीत्र आत्मा पर ही
हो सकता है,

स्वामी
17.2.18

18.2.18
रविवार

❀ आत्मा ❀

"रब्बुदा" कभी भी "दिखता" नहीं है।
और जिवन मे जब कोई
रास्ता नजर नहीं आता तो
तब केवल "रब्बुदा" ही "दिखता" है।

बाबास्वामी
18/2/2018

769

20.2.18
मंगलवार

आत्मा

और रोज प्रसाद बांटो तो
छप्पर फटेगा ही क्यो ?
रोज "ध्यान" करो तो
समस्या आयेगी ही क्यो ?

बाबास्वामी
20|2|18

770

21.2.2018
बुधवार

❀ आत्मा ❀

अनुभव से बड़ा कोई
"गुरु" नही है, सदैव
अपने अनुभव से
सिखो.

बाबा स्वामी
21.2.18

22-2-18
गुरुवार

आत्मा

पुर्वजन्म के "संस्कार" के
कारण ही इस जन्म मे
वैसे ही विचार आते है;

बाबास्वामी
22.2.18

772

23.2-18
शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

जैसे विचार आते है।
फिर वैसे ही "कर्म" हासे
होते है।

बाबास्वामी।
23.2.18

773

24.2.18
शनीवार

आत्मा

विचार ही सब झमेले की जड है, आप "रांकोल" मे बैठकर अपने विचारो का अध्ययन करो

बाबास्वामी
24.2.18

25.2.18

रविवार

❀ आत्मा ❀

जो विषय के अधीक ही विचार आते है, वह पुर्वजन्म से कमजोरी है, समझकर "सतर्क" हो जाओ

बाबास्वामी

25.2.18

26.2.18
सोमवार

❀ आत्मा ❀

आपके विचार ही आपके
आसपास स्वर्ग या नर्क
निर्माण करते है।

बाबा स्वामी
26.2.18

776

27.2.18
मंगलवार

❀ आत्मा ❀

एक सप्ताह अपने
ही आने वाले प्रत्येक
विचार को एक डायरी
मे लिखकर बाद मे
उसका "अध्ययन" करे

बाबास्वामी
27.2.18

28.2.18
बुधवार

❀ आत्मा ❀

एक संस्कार के बाद
तुम्हे ही तुम्हारे विचारो
की "स्थिति" पता चलेगी

बाबास्वामी
28.2.18